विद्या सवर्धि साधिका

आनंदालय
सामयिक परीक्षा : 1
कक्षा : आठवीं

विषय : हिन्दी | अधिकतम अंक: 50
दिनांक : 20 / 07 / 2019 | निर्धारित समय: 2 घंटे

सामान्य निर्देश –
- इस प्रश्न पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग, घ।
- चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथा संभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड–क

1. निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

मनुष्य उत्सव प्रिय होते हैं। उत्सवों का एकमात्र उद्देश्य आनंद-प्राप्ति है। यह तो सभी जानते ही हैं कि मनुष्य अपनी आवश्यकता की पूर्ति के लिए आजीवन प्रयत्न करता रहता है। आवश्यकता की पूर्ति होने पर सभी को सुख की अनुभूति होती है, पर उस सुख और उत्सव के इस आनंद में बड़ा अंतर है। आवश्यकता अभाव सूचित करती है और उससे यह प्रकट होता है कि हममें किसी बात की कमी है। मनुष्य-जीवन ही ऐसा है कि वह किसी भी अवस्था में यह अनुभव नहीं कर सकता कि उसके लिए कोई आवश्यकता नहीं रह गई है। एक के बाद दूसरी वस्तु की चिंता उसे सताती ही रहती है। इसलिए किसी एक आवश्यकता की पूर्ति से उसे जो सुख होता है, वह अत्यंत क्षणिक होता है : क्योंकि तुरंत ही दूसरी आवश्यकता उपस्थित हो जाती है। उत्सव में हम किसी बात की आवश्यकता का अनुभव नहीं करते। यही नहीं, उस दिन हम अपने काम–काज छोड़कर विशुद्ध आनंद की प्राप्ति करते हैं, यह आनंद जीने का आनंद है, काम का नहीं। उस दिन अपनी सारी आवश्यकताओं को भूलकर केवल मनुष्यत्व का खयाल करते हैं। उस दिन अपनी स्वार्थ–चिंता छोड़ देते हैं, कर्तव्य-भाव की उपेक्षा कर देते हैं तथा गौरव और सम्मान को भूल जाते हैं। उस दिन हममें उच्छृंखलता एवं स्वच्छंदता आ जाती है। उस दिन हमारी दिनचर्या बिलकुल नष्ट हो जाती है। व्यर्थ घूमकर, व्यर्थ काम कर एवं व्यर्थ खा-पी कर हम अपने मन में यह अनुभव करते हैं कि हमलोग सच्चा आनंद पा रहे हैं।

(क) हम व्यर्थ घूमकर पाते हैं – (1)
(i) मज़ा (ii) दुख (iii) स्वर्ग (iv) सच्चा आनंद

(ख) आवश्यकता सूचित करती है – (1)
(i) अभाव (ii) आवश्यकता (iii) हीन भावना (iv) अभ्यास

(ग) 'अनुभूति' में उपसर्ग है – (1)
(i) अनुभ (ii) भूति (iii) अनु (iv) नुभूति

(घ) हम कर्तव्य भाव की उपेक्षा कब कर देते हैं ? आवश्यकता क्या सूचित करती है ? (2)

(ङ) गद्यांश में आए 'प्रिय' और 'भाव' शब्द का विलोमार्थी बताइए। (2)

खण्ड–ख

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए – 1X10 = (10)

(क) 'फर्ज' शब्द का शुद्ध रूप है –
(i) फ़रज (ii) फर्ज (iii) फर्ज़ (iv) फ़र्ज़

(ख) 'महगाई'शब्द का शुद्ध रूप है –
(i) मँहगाई (ii) महँगाई (iii) महगाँई (iv) महंगाई.

(ग) 'सन्यासी' शब्द का शुद्ध रूप है –
(i) संन्यासी (ii) सन्य (iii) सन्नयासी (iv) सनयासी

(घ) 'उत्कर्ष' शब्द का विलोमार्थी शब्द है –
(i) अनुचित (ii) अपवाद (iii) अपकर्ष (iv) अपयश

(ङ) 'तिरस्कार' शब्द का पर्यायवाची नहीं है –

(i) अपमान (ii) अपवाद (iii) निरादर (iv) अनादर

(च) चिड़िया डाल पर बैठी है। (कारक के भेद बताइए।)

(छ) ज्ञानेश्वर (शब्द का वर्ण विच्छेद कीजिए।)

(ज) आप के माता पिताजी कैसे हैं ? (वाक्य में उचित स्थान पर विराम-चिह्न लगाइए।)

(झ) हरी + ईश (संधि कीजिए।)

(ञ) यथेष्ठ (संधि-विच्छेद कीजिए।)

खण्ड–ग

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

(क) बदलू कौन था ? वह किस प्रकार व्यवसाय करता था ? (2)

(ख) लेखक के किस मित्र ने चलने के लिए कहा और उसके लिए क्या तर्क दिए ? (2)

(ग) बस को देख कर कौन आगा-पीछा करने लगा ? (1)

4. 'कामचोर' कहानी में संयुक्त परिवार के बारे में बताया गया है। मूल्यबोध के आधार पर बताइए कि संयुक्त परिवार मानव-जीवन के उत्थान के विकास में क्या अहम् भूमिका निभाता है ? (4)

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

(क) कवि लोगों से क्या न पूछने का आग्रह कर रहे हैं और क्यों ? (2)

(ख) 'सुख और दुख दोनों को एक भाव से पीने' का क्या भावार्थ है ? 'दीवानों की हस्ती' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए। (2)

(ग) 'ध्वनि' कविता में 'प्रत्यूष' और 'मनोहर' का क्या अर्थ है ? (1)

6. मनमोहक प्रभात की बेला में कवि नींद से अलसाई कलियों को किस प्रकार जगाना चाहता है ? आप उन्हें किस प्रकार जगाना पसंद करेंगे ? (4)

खण्ड–घ

7. आपके पिता किसान हैं। आप उनसे धान (राइस का पौधा) की नर्सरी और रोपाई के बारे में जानने के लिए पत्र लिखिए। (5)

8. आपके कारखाने में बनी एक नई प्रकार की रोटी बनाने वाली मशीन तैयार की गई है। उसकी विशेषता बताते हुए नियमानुसार विज्ञापन तैयार कीजिए। (5)

9. दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर मन में उभरे विचारों को अपनी भाषा मे लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए। विचारों का वर्णन स्पष्ट रूप से, चित्र से संबंधित होना चाहिए। (5)